"आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतो।"
(लाभकर विचारों को चारों ओर से आने दो।)

"सा विद्या या विमुक्तये"
(सच्ची शिक्षा मनुष्य की आत्मा को स्वतंत्र करती है।)

"संगच्छध्वं संवदध्वं - संवो मनांसि जानताम्।"
(हम सब को मिलकर और सबको मिलाकर आगे बढ़ना है।)

"गुह्यं ब्रह्म तदिदं ब्रवीमि
न मानवात् श्रेष्ठतरं हि किञ्चित।"
(परम रहस्य की बात यही है कि मनुष्य से श्रेष्ठ कोई ब्रह्म नहीं है। ब्रह्म-भाव का परिचायक है - मनुष्य का अपना अन्तःकरण और आचरण।)

"पढ़मं नाणं तओ दया।" - महावीर
(पहले ज्ञान और फिर आचरण।)

हिंदी - सूक्तियाँ, अनमोल वचन

"क्रियाहीन ज्ञान व्यर्थ है। इसी तरह अज्ञानी की क्रिया भी व्यर्थ है।"
("हतं ज्ञानं क्रियाहीनं, हता चाज्ञानिनो क्रिया।")

"ऊँचे और उत्तम अध्ययन से हृदय विशाल हो जाता है।" - स्वेट मार्डन

"जितना हम अध्ययन करते हैं, उतना ही हम को अपने अज्ञान का आभास होता जाता है।"
- विवेकानन्द

"बिना चिन्तन का अध्ययन तो परिश्रम नष्ट करता है, बिना शिक्षा प्राप्त किए विचार करना भयानक है।" - कन्फ्यूशियस

"आज पढ़ना सब जानते हैं, पर क्या पढ़ना चाहिए, यह कोई नहीं जानता।"
- बर्नार्ड शॉ

"किसी के पीछे मत चलिए, लेकिन सीखिए सबसे

"आत्मविश्वास का अभाव ही सभी अन्धविश्वासों का जनक है।"